सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

प्रेरणा

गुस्से में कभी गल्त मत बोलो, मूड़ तो ठीक हो ही जाता है पर बोली हुईं बातें वापिस नहीं आती !

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-4 • 05 MAY TO 11 MAY 2023 • VOLUME 41 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges & *Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

गैंगस्टर अनिल दुजाना एनकाउंटर में ढेर

गैंगस्टर पर 18 मर्डर सहित रंगदारी, लूटपाट, जमीन पर कब्जा, कब्जा छुड़वाना और आर्म्स एक्ट समेत 62 संगीन मुकदमे दर्ज थे। अनिल पर रासुका और गैंगस्टर एक्ट भी लग चुका है।

मेरठ. एसटीएफ ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुख्यात गैंगस्टर अनिल दुजाना को एनकाउंटर में ढेर कर दिया है। एसटीएफ ने अनिल दुजाना को मेरठ में आज दोपहर जानी थाना क्षेत्र के भोला की झाल में एक एनकाउंटर में मार गिराया। अनिल दुजाना उर्फ़ अनिल नागर पर हत्या, लूट, अपहरण सहित कई संगीन मामलों में मुकदमे दर्ज थे। एसटीएफ और यूपी पुलिस पिछले कई दिनों से अनिल दुजाना की तलाश में थी।

इस गैंगस्टर पर 18 मर्डर सहित रंगदारी, लूटपाट, जमीन पर कब्जा, कब्जा छुड़वाना और आर्म्स एक्ट समेत 62 संगीन मुकदमे दर्ज थे। साथ ही अनिल पर रासुका और गैंगस्टर एक्ट भी लग चुका है। वह गैंगस्टर सुंदर भाटी पर एके-47 से हमले का आरोपी है। दुजाना 2012 से जेल में था और जनवरी 2021 में बेल पर बाहर आया। उस पर बुलंदशहर पुलिस ने 25 हजार और नोएडा पुलिस ने 50 हजार का इनाम रखा था। केसों में पेश नहीं होने को लेकर अदालत ने गैरजमानती वॉरंट जारी कर रखा था। दुजाना गांव के कुख्यात गैंगस्टर अनिल दुजाना पर पहला मामला साल 2002 में गाजियाबाद के कवि नगर थाने में दर्ज हुआ था। इस मामले में उसपर हरबीर पहलवान नाम के व्यक्ति की हत्या का आरोप था।

2021 में की थी शादी : अनिल दुजाना की शादी साल 2021 में पूजा नाम की लड़की से हुई. लेकिन ये किस्सा भी बड़ा रोचक है, क्योंकि अनिल दुजाना एक केस के सिलसिले में जिला अदालत में पेशी के लिए आया था। पेशी ख़त्म हुई तो उसने मंगनी के लिए बनवाए गए शपथपत्र पर साइन कर अदालत परिसर में ही पूजा को अंगूठी पहना दी थी। इसके बाद बागपत की रहने वाली पूजा अपने परिजनों के साथ घर वापस चली गई थी।

गैंगस्टर सुंदर भाटी पर बरसाई थीं गोलियां

पश्चिमी यूपी में दो गैंगस्टर की गैंगवार बहुत चर्चा में रहती थी और वो दो नाम नरेश भाटी और सुंदर भाटी थे, लेकिन साल 2004 में जिला पंचायत अध्यक्ष नरेश भाटी की हत्या सुंदर भाटी गुट ने कर दी गई। नरेश के भाई रणदीप और भांजे अमित कसाना ने हत्या का बदला लेने के लिए अनिल दुजाना का साथ लिया। साल 2011 के नवंबर में सुंदर भाटी को मारने के लिए तीनों ने सुंदर भाटी के भांजे की शादी चुनी। मकसद सबके सामने मौत के घाट उतार कर दहशत फैलाना था। रणदीप, कसना और दुजाना ने गैंगस्टर सुंदर भाटी पर एके-47 से ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई, लेकिन भाटी बच निकल और इस घटना में तीन लोग मारे गए। इस हत्याकांड में अनिल दुजाना 2012 में धरा गया और जेल भेज दिया गया। इसके बाद साल 2014 में सुंदर भाटी ने पलटवार करते हुए दुजाना के भाई को मार डाला।

प्रकाश सिंह बादल की अंतिम अरदास में शामिल हुए अमित शाह, अर्पित की श्रद्धांजलि

• **जालंधर ब्रीज.** श्री मुक्तसर साहिब

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरूवार को पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय प्रकाश सिंह बादल की 'अंतिम अरदास' में भाग लिया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अमित शाह ने कहा कि प्रकाश सिंह बादल जी के हमारे बीच ना रहने से केवल पंजाब ही नहीं बल्कि पूरे देश की राजनीति और सामाजिक नेतृत्व को अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि बादल जी के जाने से जो शून्य पैदा हुआ है, उसे भर पाना बहुत मुश्किल होगा। शाह ने कहा कि बादल जी के जाने से सिख पंथ ने अपना एक सच्चा सिपाही, देश ने एक देशभक्त, किसानों ने अपना सच्चा हमदर्द और राजनीति ने उच्च मानांकों को सिद्ध करने वाले एक महापुरुष को खोया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 70 साल के लंबे सार्वजनिक जीवन के बाद व्यक्ति चला जाए और पीछे कोई विरोधी ना हो, ऐसा अजातशत्रु जैसा जीवन बादल साहब के सिवा कोई नहीं जी सकता था। शाह ने कहा कि उन्होंने हमेशा बादल जी से मिलकर कुछ ना कुछ सीखा, चेतना प्राप्त की और उन्होंने हमेशा सच्चा रास्ता दिखाने का प्रयास किया। इतनी पारदर्शिता के साथ राजनीतिक जीवन में सलाह देना एक महामानव के सिवा कोई नहीं कर सकता।

अमित शाह ने कहा कि प्रकाश सिंह बादल पंजाब विधानसभा में सबसे लंबे समय तक रहने वाले सदस्य थे और बादल साहब 5 बार पंजाब के मुख्यमंत्री बने और उन्होने नए पंजाब की नींव डालने का काम किया, उनके जाने के साथ ही भाईचारे का सरदार चला गया। उन्होंने अपना पूरा जीवन हिंदु-सिख एकता के लिए समर्पित किया और राजनीति में कई विरोध झेलने के बावजूद सबको एकजुट रखने के लिए बादल साहब हमेशा प्रयासरत रहे। शाह ने कहा कि सार्वजनिक और राजनीतिक जीवन में ऐसे व्यक्ति को दिया लेकर भी ढूंढना असंभव है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि 1970 से लेकर आज तक जब भी देश के लिए खड़ा होने का मौका आया, बादल साहब कभी पीछे नहीं हटे। शाह ने कहा कि सरदार प्रकाश सिंह बादल सार्वजनिक जीवन में सबसे लंबा समय जेल में रहकर सिद्धांतों और पंथ के लिए संघर्ष करने वाले व्यक्ति थे। आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए बादल साहब चट्टान की तरह खड़े रहे, कारगिल युद्ध हो या आतंक के खिलाफ लड़ाई हो, हर मोर्चे पर आसमान जितने ऊंचे व्यक्तित्व वाले बादल साहब हमेशा ढाल की तरह देशहित में खड़े नज़र आए।

उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध या आतंक के खिलाफ लड़ाई हो, हर मोर्चे पर आसमान जितने ऊंचे व्यक्तित्व वाले बादल साहब हमेशा ढाल की तरह देशहित में खड़े नज़र आए। श्री शाह ने कहा कि बादल साहब का जाना पूरे देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है। अमित शाह ने कहा कि बादल जी के जीवन से हम सब प्रेरणा लें और उन्होंने जिस रास्ते पर चलने की सीख दी, वाहेगुरु हम सबको उस रास्ते पर चलने की शक्ति दें।

सीएम मान ने 'आप' उम्मीदवार सुशील रिंकू के साथ किया रोड शो

बोले- कंग्रेस-अकाली नेताओं ने आपके बच्चों की पढ़ाई बेच दी, बुज़ुर्गों की दवाई बेच दी और उन पैसों से अपने लिए महल बना लिए

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

जालंधर लोकसभा उपचुनाव में आम आदमी पार्टी(आप) के उम्मीदवार सुशील कुमार रिंकू के साथ मुख्यमंत्री भगवंत मान ने वीरवार को हल्का जालंधर वेस्ट, नॉर्थ और सेंट्रल के विभिन्न इलाके में रोड शो किया और लोगों से 'आप' उम्मीदवार को जिताने की अपील की। मुख्यमंत्री ने जालंधर वेस्ट विधानसभा क्षेत्र के भार्गव नगर से रोड शो की शुरुआत की। यहां से उन्होंने नारी निकेतन चौक तक रोड शो निकाला। जालंधर सेंट्रल विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री ने मिलाप चौक से भगत सिंह चौक तक रोड शो किया। वहीं जालंधर नॉर्थ विधानसभा क्षेत्र में दोमोरिया पुल से किशनपुरा चौक तक रोड शो किया एवं लोगों से रूबरू हुए। रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री मान ने कई जगहों पर लोगों को संबोधित भी किया। जालंधर के लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने अकाली दल और कांग्रेस पार्टी पर तीखे हमले बोले और कहा कि कांग्रेस-अकाली नेताओं ने आपके बच्चों की

पढ़ाई बेच दी। बुजुर्गों की दवाई बेच दी और इन पैसों से अपने लिए बड़े बड़े महल बनाए और अरबों रुपए की संपत्ति अर्जित की।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में सत्ताधारी नेता पंजाब के व्यापारियों से व्यापार में हिस्सा लेते थे। हिस्सा नहीं देने पर उन्हें डराते धमकाते थे और रेड डलवाते थे। हम व्यापारियों से हिस्सा नहीं लेते हैं। हम पंजाब के आमलोगों के दुख दर्द में हिस्सा लेते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद पंजाब के व्यापारियों से हमारा कोई भी नेता कमीशन और हिस्सेदारी नहीं मांगता है। पंजाब के व्यापारी अब बेखौफ होकर अपना व्यापार करते हैं और सरकार को करोड़ों रुपए का टैक्स भी भरते हैं।

मान और केजरीवाल 80 नये आम आदमी क्लीनिक लोगों को करेंगे समर्पित

जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़ : पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल शुक्रवार को लुधियाना में 80 आम आदमी क्लीनिक राज्य निवासियों को समर्पित करेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि इससे राज्य में तकरीबन 580 आम आदमी क्लीनिक लोगों को मुफ़्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए कार्यशील हो जाएंगे।

केंद्र ने पंजाब के आरडीएफ पर रोक व मार्किट फीस में की कटौती; मान ने किया विरोध

जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़ : केंद्र सरकार द्वारा पंजाब के ग्रामीण विकास फंड पर रोक लगाने और मार्केट फीस में कटौती को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मोदी सरकार के इस तुगलकी फरमान का कड़ा विरोध किया और इसके लिए पंजाब के बीजेपी नेताओं पर निशाना साधा। भगवंत मान ने ट्वीट कर कहा, ''बीजेपी का पंजाब विरोधी और किसान विरोधी चेहरा बेनकाब हो गया है.. हमारी कोशिशों के बावजूद इस रबी सीजन में मार्केट फीस 3% से घटाकर 2% और आरडीएफ 3% से घटाकर 0% कर दिया गया है.'' पंजाब को घाटा 250 करोड़ और मार्केट फीस 750 करोड़ आरडीएफ कुल 1000 करोड़। कैप्टन, जाखड़, मनप्रीत बादल, बैंस बंधु, राणा सोढ़ी, कांगड़, फतेहजंग बाजवा, इंदर अटवाल, जो बीजेपी के नए सदस्य बने हैं, क्या उनमें इतनी हिम्मत है कि इस नुकसान का मुद्दा मोदी जी के सामने उठाएं???

जालंधर उपचुनाव 2024 के आम चुनावों के लिए टोन सेट करेगा : कैप्टन अमरिंदर सिंह

• **जालंधर ब्रीज.** फिल्लौर (जालंधर)

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने गुरूवार को लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करने के लिए पार्टी उम्मीदवार इंदर इकबाल सिंह अटवाल को वोट देने का आह्वान किया। उन्होंने आज यहां एक बड़ी संख्या में उपस्थित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, "जालंधर उपचुनाव पंजाब में 2024 के आम चुनावों के लिए टोन सेट करेगा, जो देश के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।"

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक और घरेलू स्तर पर अपनी स्थिति को और मजबूत करने के लिए देश को कम से कम पांच और वर्षों के लिए प्रधानमंत्री के रूप में मोदी की जरूरत है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में, भारत को एक महान राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि यह अपने निर्णय लेने में मजबूत, शक्तिशाली और स्वतंत्र रूप से उभरा है।

जालंधर समेत पूरे पंजाब में विकास नहीं आप ने दिया विनाश मॉडल : अनुराग ठाकुर

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने जालंधर में बुनियादी ढांचागत जरूरतों की घोर कमी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जालंधर की सड़कों पर घूमने से पता चल रहा है कि पिछले एक वर्ष में यहाँ दूर दूर तक विकास की एक ईंट नहीं लगी। ठाकुर ने कहा कि यहाँ विकास नहीं विनाश हो रहा है और इसकी पटकथा आम आदमी पार्टी लिख रही है, यही हाल पूरे पंजाब का है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि अपने खेल उद्योग, स्वास्थ्य व बुनियादी ढांचे के लिए प्रसिद्ध जालंधर आज यह दुर्दशा झेल रहा है। शहर में ना साफ सफाई है, ना अच्छी सड़कें हैं। आम आदमी पार्टी ने जालंधर को स्पोर्ट्स हब के रूप में विकसित करने का वादा किया था, लेकिन इन्होंने पूरे पंजाब को एक्सटॉरशन हब बना दिया है। जालंधर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट पर टिपण्णी करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जालंधर को स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में जोड़ा गया था, लेकिन अभी तक यहाँ एक भी काम नहीं किया गया। सत्तारूढ़ 'आप' एक साल से अधिक समय में राज्य को सुशासन तो क्या, चलने लायक शासन देने में भी बुरी तरह विफल रही है।

अनुराग ठाकुर ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा पंजाब में किए गए कार्यों पर रौशनी डालते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा कि हमने पंजाब को एम्स दिया, पीजीआई सेटेलाइट केंद्र दिया, स्मार्ट सिटी परियोजना के लिए 950 करोड़ दिए। नए हाईवे की बात हो या सुपर एक्सप्रेसवेज बनाने की बात, यह सभी भारतीय जनता पार्टी की सरकार में हीं संभव हो पाए हैं। मोदी जी की सरकार ने हीं श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर खोला, हेमकुंड साहिब तक रोप वे पहुँचाया और चार धाम यात्रा को सुलभ बनाया।

व्यापारी वर्ग अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी : डॉ. जितेन्द्र सिंह

स्थानीय रमाडा होटल में विभिन्न व्यापारिक एसोसिएशन और संगठनों की एक बैठक में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने व्यापारियों द्वारा उठाई गई विभिन्न समस्याओं का केंद्रीय स्तर पर पहल के आधार पर समाधान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रांत में व्यापारी ही उस प्रांत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी होते हैं और लोकसभा सांसद समय-समय पर व्यापारियों को आने वाली समस्याओं और जीएसटी को तर्कसंगत बनाने के विषय में अपने अपने क्षेत्र के वयपारियों का पक्ष केंद्र सरकार के सम्मुख रखते रहते हैं और केंद्र की मोदी सरकार प्राथमिकता के आधार पर उनका समाधान करती है। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के प्रदेश प्रभारी श्री विजय रुपाणी ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा को पंजाब में मौका मिले तो पंजाब भी गुजरात की भांति द्रुत गति से विकास पथ पर दौड़ सकता है और पुनः नंबर वन प्राप्त कर सकता है।

शिमला नगर निगम चुनाव में कांग्रेस की जीत, भाजपा को बड़ा झटका

आम आदमी पार्टी का सूपड़ा साफ

शिमला. शिमला नगर निगम चुनाव में कांग्रेस की जीत हुई है। कांग्रेस ने 34 में से 24 वार्ड जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। भाजपा को बड़ा झटका लगा है। भाजपा अपनी सत्ता बरकरार रखने में नाकाम रही क्योंकि उसने केवल 9 सीटों पर ही जीत हासिल की हैं। सीपीआईएम ने खाते में एक सीट आई है। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद भाजपा के लिए राज्य में यह दूसरा बड़ा झटका है। दिसंबर में हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में जीत के बाद कांग्रेस अपनी संभावनाओं को लेकर उत्साहित थी।

शिमला नगर निगम में जीत पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि मैं शिमला नगर निगम की जनता का धन्यावाद करना चाहता हूं। पिछले 10 साल में ये पहला चुनाव है, जो पार्टी चुनाव चिन्ह पर लड़ा गया है। 10 साल बाद नगर निगम में ऐतिहासिक जीत दर्ज़ कर हम आए हैं। उन्होंने कहा कि शिमला नगर निगम में कांग्रेस

अपने अब तक के सबसे ऊंचे आंकड़े पर पहुंच रही है। यह जनादेश हमारी सरकार और विकासात्मक राजनीति में हिमाचल प्रदेश के लोगों के विश्वास की पुष्टि करता है। आम आदमी पार्टी को यहां एक भी सीट नहीं मिली।

हिमाचल कांग्रेस ने ट्वीट किया कि नगर परिषद शिमला में कांग्रेस की शानदार जीत के लिए सभी नव निर्वाचित सदस्यों को हार्दिक बधाई और पार्टी के सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का हार्दिक धन्यावाद और आभार।

इंदौर के इन मंदिरों में दर्शन करने दूर-दूर से आते हैं लोग, हर मनोकामना होती है पूर्ण

मध्यप्रदेश का इंदौर साफ सफाई के लिए जाना जाता है। इसके अलावा ये जगहे अपने चटपटे खाने के लिए भी फेमस है। यहां कुछ फेमस मंदिर हैं जहां लोग दूर-दूर से दर्शन के लिए आते हैं।

बिजासन माता मंदिर

अन्नपूर्ण मंदिर

कांच मंदिर इंदौर

गणपति मंदिर

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

इंदौर की चटपटी चाट खूब फेमस है, यहां पर घूमने फिरने की ढेरों जगह हैं। घूमने की जगहों के अलावा यहां पर कुछ फेमस मंदिर भी हैं। इन मंदिरों में आकर पर्यटक पूरे मन और श्रद्धा के साथ भक्ति करते हैं। इन मंदिरों की पॉजिटिव एनर्जी मन को शांत कर देती है। इंदौर में वैसे तो कई मंदिर हैं, लेकिन ऐसे कुछ फेमस मंदिर हैं जो पूरे विश्व में फेमस हैं और यहां दर्शन के लिए दूर से लोग आते हैं।

इंदौर के फेमस मंदिर

बिजासन माता मंदिर : हजार साल पुराने इस मंदिर में भक्तों की लंबी लाइन लगी रहती है। इस मंदिर में नौ देवियों की मूर्तियों स्थापित हैं। मंदिर का निर्माण इंदौरा के महाराजा शिवाजीराव होलकर ने करवाया था। कहते हैं कि शादी में किसी भी तरह की रुकावटें आ रही हैं, या संतान नहीं हो रही है तो इस मंदिर के दर्शन करने पर इच्छा पूरी होगी।

अन्नपूर्ण मंदिर : इंदौर पहुंच पर्यटकों के बीच ये मंदिर काफी फेमस है। खाने की देवी अन्नपूर्णा को समर्पित इस मंदिर में सिवन, हनुमान और कालभैरव के भी मंदिर हैं। मंदिर की एंट्री को हाथियों की मूर्तियों से सजाया गया है। वहीं इस मंदिर की ऊंचाई 100 फीट से भी ज्यादा है।

कांच मंदिर इंदौर : सफेद पत्थर से बना ये मंदिर खूब बड़ा है। हवेली के रूप में बने इस मंदिर में चंदवा बालकनी और शिकारा भी है। मंदिर के अंदर का हिस्सा पूरी तरह से कांच का बना है। ये एक जैन मंदिर है। मंदिर में भगवान महावीर और तीर्थांकर मूर्तियां स्थापित हैं।

गणपति मंदिर : इस फेमस गणेश मंदिर में 25 फीट ऊंची गणेश जी की मूर्ती विराजमान है। कहते हैं कि उज्जैन के रहने वाले एक व्यक्ति जिसका नाम श्री दाधीच है, उन्होंने रात में भगवान गणेश की मूर्ति का सपना देखा था। जिसके बाद उन्होंने अगले दिन उठकर वहां मंदिर बनवाने का फैसला लिया। मूर्ति को चूना पत्थर, गुड़, ईंटों और पवित्र मिट्टी, घोडों, गाय और हाथियों के पैरों कुचली मिट्टी व कीचड़, पंचरत्नों के पाउडर और पानी से बनाया गया है।

FASHION+

हाइट में छोटी लड़कियों को कभी नहीं फॉलो करने चाहिए ये ट्रेंड, दिखने लगेगी शार्टनेस

स्टाइलिश दिखने के लिए अक्सर लोग लेटेस्ट फैशन ट्रेंड को फॉलो करना पसंद करते हैं। लेकिन अगर आपकी हाइट कम है तो ऐसी लड़कियों को इस तरह के कपड़े नहीं पहनने चाहिए नहीं तो हाइट कम दिखेगी।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

हाइट में कम लड़कियां अक्सर क्यूट दिखती हैं लेकिन ये अपनी हाइट को लेकर ज्यादातर परेशान रहती हैं। ऐसे में फैशन फॉलो करना और स्टाइलिश दिखना इनके लिए थोड़ा सा ट्रिकी हो जाता है। हालांकि आजकल कई तरह के फैशन ट्रेंड चल गए हैं। जिसे सोशल मीडिया पर सब फॉलो करते दिखते हैं। लेकिन जब भी शार्ट हाइट की लड़कियां कुछ खास कपड़ों के ट्रेंड को फॉलो करती हैं तो उनकी पूरी अपीयरेंस बिगड़ जाती है। ऐसे में जरूरी है कि सोच-समझकर कपड़ों को चुना जाए। जिससे कि आपका लुक अच्छा दिखे और आप उन कपड़ों में कंफर्टेबल भी हों।

ओवरसाइज कपड़े

पिछले कुछ समय से ओवरसाइज कपड़ों का जमकर ट्रेंड निकला है। ओवरसाइज शर्ट, टीशर्ट, पैंट, जींस, कोट। लेकिन ये कपड़े शार्ट हाइट लड़कियों पर बहुत ही कम जंचते हैं। खासतौर पर जिनके कंधे कम हो, ऐसी गर्ल्स को ओवरसाइज कपड़े पहनने की भूल बिल्कुल नहीं करनी चाहिए। अगर आप फिट लुक चाहती हैं तो फ्लेयर्ड पैंट या जींस के साथ फिटिंग के टॉप या बॉडीसूट को चुन सकती हैं।

नी लेंथ स्कर्ट या ड्रेस

अगर हाइट शार्ट है तो नी लेंथ ड्रेस को खरीदने से बचें। ऐसी ड्रेस पहनकर आप और भी छोटी लग सकती है। वो ड्रेस को घुटनों पर आकर खत्म हो जाती है। उससे पैर छोटे दिखते हैं। जो हाइट को कम दिखाएंगे। ऐसे में आप घुटनों के ऊपर या फिर एंकल लेंथ ड्रेस या स्कर्ट को कैरी करें। ये आपके पूरे बॉडी को परफेक्ट और लंबा दिखाने में हेल्प करेंगे।

लो वेस्ट पैंट

फैशन का सर्किल हर बार उसी जगह घूमकर पहुंच जाता है। लो वेस्ट जींस, पैंट और कार्गो एक बार ट्रेंड में आ रहे हैं। लेकिन आप इस तरह के बॉटम वियर को पहनने से बचें। लूज फिटिंग के कार्गो पैंट-क्रॉप टॉप पहनने से पैर और भी ज्यादा छोटे लगेंगे। ऐसे में आप हाई वेस्ट जींस या पैंट को ही प्रिफर करें। इससे आपकी हाइट लंबी दिखेगी।

चटपटे ब्रेड एग रोल से बच्चों को दें **सरप्राईज**, लाजवाब टेस्ट को सब करेंगे पसंद

ब्रेकफास्ट में आमलेट और अंडे खाकर बोर हो गए हैं तो अब बनाएं टेस्टी और चपपटे एग ब्रेड रोल। इसे बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता है और फटाफट मिनटों में बनकर रेडी हो जाते हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

संडे का दिन हो तो घर में सबकी डिमांड कुछ स्पेशल खाने की होती है। ऐसे में आपके लिए मुश्किल हो जाता है कि ऐसा क्या बनाएं जो हर किसी को पसंद आए और बिना पहले से तैयारी किए बन भी जाए। ब्रेड एग रोल बिल्कुल परफेक्ट रेसिपी है। जिसे आप बिना प्री प्रिपरेशन के रेडी कर सकती हैं। वो भी कम वक्त में, तो चलिए जानें कैसे बनाएं टेस्टी. चटपटे एग ब्रेड रोल।

एग ब्रेड रोल बनाने की सामग्री

- 5-6 अंडे
- दो से तीन हरी मिर्ची
- 9-10 लहसुन की कलियां
- 2 इंच लंबा अदरक का टुकड़ा
- सूखी लाल मिर्च
- आधा चम्मच नमक
- 1 चम्मच सरसों के बीज
- हींग एक चुटकी
- जीरा
- धनिया के बीज
- करी पत्ता
- हल्दी पाउडर
- नमक स्वादानुसार
- 3 उबले आलू
- प्याज बारीक कटी हुई
- फ्रेश धनिया की पत्ती
- ब्रेड की स्लाइस

एग ब्रेड रोल बनाने की विधि

- सबसे पहले अंडों को उबालकर रख लें।
- अब लहसुन-अदरक-हरी मिर्ची को बारीक कूट लें।
- पैन में तेल गर्म करें और उसमे जीरा चटकाएं। फिर सरसों के दाने डाल दें।
- धनिया के बीज और हींग डालें।
- करी पत्ता, हल्दी पाउडर डालकर मिक्स करें।
- नमक डालें और लहसुन-अदरक मिर्चे का पेस्ट डालकर अच्छी तरह मिक्स करें।
- प्याज को बारीक काटकर उबले आलू में मिक्स करें।
- आलूओं को अच्छी तरह से मैश कर लें और इसमे हरी धनिया की बारीक कटी पत्ती डालें।
- तड़के वाले मसाले को मिलाकर नमक डालें और अच्छी तरह से हाथों की मदद से मैश कर लें।
- अब ब्रेड की स्लाइस के ब्राउन किनारों को निकालकर पानी में डुबोएं और हथेली में रखकर पानी निचोड़ लें।
- ब्रेड के ऊपर आधा अंडा रखें और साथ में आलू के मिक्सचर को रखकर उंगलियों की मदद से अच्छे से पैक कर दें।
- कड़ाही में तेल गर्म करें और सुनहरा होने तक तलें।
- रेडी है क्रिस्पी और चटपटे एग ब्रेड रोल, गर्मागर्म चटनी के साथ सर्व करें।

---

12 साल की उम्र आते-आते अपने बच्चे को जरूर सिखा दें ये 10 बातें, लाइफ में आएगी काम

PARENTING

12 साल की उम्र तक आते-आते आपके बच्चे को इन सारी चीजों को करने के बारे में जरूर पता होना चाहिए। जिससे बिना पैरेंट्स के वो इन चीजों को आसानी से कर सके।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

बढ़ते हुए बच्चे की परवरिश में केवल पढ़ाई-लिखाई या फिर उन्हें बोलने का ढंग सीखना ही जरूरी नहीं होता है। बल्कि कुछ लाइफ स्किल भी सिखाना जरूरी है। जिससे जब आप उसके आसपास ना हो तो भी वो आराम से रह सके। बढ़ते हुए बच्चों में सीखने की क्षमता ज्यादा होती है। जब आप कम उम्र से ही उसे ये सारी स्किल सिखाते हैं तो बच्चा तेजी से उन्हें समझता और सीखता है। 12 साल की उम्र आते-आते बच्चों को इन सारी बातों को सिखा देना जरूरी है। कई बार माता-पिता को लगता है कि अभी तो ये बच्चा है लेकिन इन स्किल से बच्चे के साथ ही आपकी लाइफ भी आसान हो जाएगी। तो चलिए जानें वौ कौन सी लाइफ स्किल है जो बच्चे को जरूर सिखा देनी चाहिए।

- **खुद के लिए कुकिंग :** कुकिंग का मतलब गैस जलाकर कुछ रेसिपी बनाने की बात नहीं हो रही लेकिन 12 साल की उम्र तक आते-आते बच्चे को खुद के लिए सैंडविच, शेक जैसी चीजों को बनाना आ जाना चाहिए।
- **कमरे की सफाई :** बच्चे को साफ-सफाई का पाठ कम उम्र से ही सिखाना जरूरी होता है। कपड़े, खिलौने, कापी-किताब को सही जगह पर रखने के साथ रूम की क्लीनिंग करना, बेडशीट बदलना अपने बच्चे को जरूर सिखाएं। इस तरह की आदत आपके काम को भी हल्का करेगी।
- **पब्लिक ट्रांसपोर्ट की जानकारी :** बच्चे को घर का रास्ता और स्कूल से आने-जाने का रास्ता और वो रास्ते जिन पर अक्सर आना-जाना होता है। उनकी जानकारी जरूर कराएं। ये स्किल बच्चे के लिए बहुत जरूरी है।
- **सामान खरीदने की स्किल भी सिखाएं :** 12 साल की उम्र तक आते-आते बच्चे को घर के आसपास की शॉप से छोटे-मोटे सामान जैसे दूध, दही, स्टेशनरी लाने की आदत लगाएं। ऐसा करने से बच्चे को आप इंडिपेंडेंट और कॉन्फिडेंट बनाने में मदद करेंगी।
- **छोटे सिबलिंग का ध्यान :** 12 साल की उम्र तक आपका बच्चा इतना समझदार होना चाहिए कि वो अपने छोटे भाई-बहन की देखरेख कर सके। बिना किसी बड़े सदस्य की मौजूदगी के।
- **होमवर्क करने की आदत :** 12 साल की उम्र तक आते-आते बच्चे को अपना होमवर्क खुद से करने के लिए बैठ जाना चाहिए। भले ही आप उसकी हेल्प करें लेकिन वो सारा होमवर्क अपनी हैंडराइटिंग में कंप्लीट करे।
- **फोन नंबर और एड्रेस हो याद :** बच्चे को घर के सदस्यों के फोन नंबर और घर के एड्रेस याद करवाने चाहिए। जिससे घर के बाहर उसके गुम होने का खतरा ना हो और वो इमरजेंसी में हेल्प मांग सके।

महिलाओं को पुशअप्स से मिलते हैं ढेरों फायदे, शुरू करने से पहले ना करें ये गलती

HEALTH CARE

महिलाओं को पुशअप्स की शुरुआत करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। पहली बार एक्सरसाइज शुरू कर रही हैं तो कौन सा पुशअप्स करने से फायदा मिलेगा जिससे कि कलाई चोटिल ना हो।

• **जलंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

एक्सरसाइज में पुशअप्स का काफी खास रोल है। ये घर बैठे जिम जैसी बॉडी पाने की सबसे अच्छी एक्सरसाइज है। इसे वेट एक्सरसाइज में भी गिना जाता है क्योंकि ये पूरे बॉडी का भार उठाने का काम करती है। लेकिन महिलाओं को पुशअप्स करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। खासतौर पर जब वो पुशअप्स को पहली बार करने वाली हों। आजकल इंटरनेट पर काफी सारे वीडियो मिल जाते हैं जो घर में ही एक्सरसाइज का सही तरीका बताते हैं। लेकिन जब भी पुशअप्स करें तो अपने बॉडी का पूरी तरह से ध्या रखें। क्योंकि पुशअप्स कई तरीके के होते हैं और जरा सी लापरवाही से आपकी कलाईयों के साथ ही कंधे को भी चोटिल कर सकते हैं।

किन बॉडी पार्ट्स के लिए फायदेमंद है पुशअप्स

पुशअप्स को वेट बॉडी एक्सरसाइज माना जाता है। जिससे ये पूरी बॉडी को शेप में देने का काम करती है। लेकिन खासतौर पर कंधे, चेस्ट, बाजुओं को सुडौल करने में ये हेल्प करती है। वहीं महिलाओं में पुशअप्स से सैगी ब्रेस्ट को भी काफी सपोर्ट मिलता है और वो शेप में आते हैं। बस इसे करते समय इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

वॉल पुशअप्स

वॉल पुशअप्स करने से ना केवल आपकी कलाईयां मजबूत बनती है बल्कि ये आपके ब्रेस्ट के लिए भी फायदेमंद है। शुरूआत में पूरी बॉडी का भार कलाईयों पर डाल देने से चोटिल होने का डर रहता है। ऐसे में वॉल पुशअप्स आपके कलाईओं को मजबूत बनाएगी। बस दीवार पर दोनों हथेलियों को टिकाएं और दीवार को धक्का देने जैसा अभ्यास करें। इस तरह का पुशअप्स एक्सरसाइज की शुरुआती स्टेज में करना जरूरी होती है।

पुशअप्स होते हैं कई टाइप के

हर एक्सरसाइज की तरह ही पुशअप्स भी कई तरह के होते हैं। जिन्हें आप अपने बॉडी वेट के हिसाब से कर सकती हैं। जब आपने कुछ ही दिनों पहले एक्सरसाइज शुरू की हो और पुशअप्स करने जा रही हों तो सबसे पहले इस पुशअप्स एक्सरसाइज को ट्राई करें।

चेयर पुशअप्स

जब आपकी कलाईयां मजबूत महसूस होने लगे तो आप कुर्सी के सहारे पुशअप्स कर सकती हैं। इसमे पीछे की तरफ किसी बेंच या कुर्सी को रखकर उसके आगे खड़े हो जाएं। हथेलियों को कुर्सी पर टिकाएं और फिर कोहनियों को मोड़ते हुए चेस्ट को कुर्सी के करीब तक ले जाएं। रोजाना 3 सेट में इस एक्सरसाइज को करने से शरीर में बैलेंस बनाने का अभ्यास होगा।

नी पुशअप्स

जब आपका बैलेंस बनना और कलाईयों को मजबूती मिल जाएगी तब नी पुशअप्स करना ठीक होगा। इसे करने के लिए घुटने के बल होकर हथेलियों को जमीन पर टिकाएं। फिर कोहनियों को मोड़ते हुए जमीन तक लाएं। रोजाना 3-4 सेट्स में इस पुशअप्स को करें।

फुल पुशअप्स

जब आप ऊपर दी गई सारी पुशअप्स का अभ्यास अच्छे से कर लें और इन सबको करना बिल्कुल आसान लगने लगे तब फुल पुशअप्स को करें। अगर आप पहले ही दिन फुल पुशअप्स करने की कोशिश करेंगी तो हो सकता है आपका हाथ और कंधे चोटिल हो जाएं। इसलिए पुशअप्स के इन सारे स्टेप को फॉलो करना फायदेमंद है।

विविध संस्कृतियों वाला चंडीगढ़ वास्तव में मिनी इंडिया : बनवारी लाल पुरोहित

• पंजाब राज भवन द्वारा महाराष्ट्र एवं गुजरात स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

• जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़

शहर में विभिन्न सांस्कृतिक समुदायों के बीच राष्ट्रीय एकता और सद्भावना को बढ़ावा देने के लिए, पंजाब राज भवन, चंडीगढ़ में 1 मई को राज भवन परिसर में मौजूद गुरु नानक सभागार में महाराष्ट्र और गुजरात के स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

पंजाब के राज्यपाल और यू.टी., चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारी लाल पुरोहित ने कहा कि स्थापना दिवस एक विशेष दिन होता है जिसमें राज्य अपनी स्थापना का जश्न मनाते हैं। अन्य राज्यों के स्थापना दिवस को मनाने का हमारा उद्देश्य अपने देश के विभिन्न क्षेत्रों के बीच आपसी सम्मान और सामंजस्य को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी ''एक भारत, श्रेष्ठ भारत" पहल के हिस्से के रूप में नियमित रूप से हर राज्य की विरासत और परंपराओं का जश्न मनाने पर जोर दिया है और यह उत्सव उसी भावना के अनुरूप है। राज्यपाल ने कहा, ''मेरा मानना है कि एक मजबूत और एकजुट देश के निर्माण के लिए राष्ट्रीय एकता बहुत महत्वपूर्ण है। अन्य राज्यों के स्थापना दिवस मनाकर, हम समावेशिता और आपसी सम्मान का वातावरण बनाने की उम्मीद करते हैं, जो हमारे विविधताओं से भरे देश के लिए आवश्यक मूल्य हैं"।

इस अवसर पर बोलते हुए पुरोहित ने कहा कि चंडीगढ़ एक जीवंत और विविध संस्कृतियों का शहर है जहां विभिन्न क्षेत्रों के लोग एक-दूसरे के साथ मिल-जुलकर रहते हैं। चंडीगढ़ वास्तव में एक मिनी भारत है जहां विभिन्न राज्यों के लोग सद्भाव से रहते हैं जो विविधता में एकता की भारत की वास्तविक तस्वीर पेश करते हैं। उन्होंने कहा कि मराठी, गुजराती, बंगाली, राजस्थानी, केरल या तमिल सभी समुदायों ने सिटी ब्यूटीफुल की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और शहर को अपनी संस्कृति और परंपराओं से समृद्ध किया है। पुरोहित ने कहा, ''आइए, हम अपनी विविधताओं के साथ एक संयुक्त और सामंजस्यपूर्ण भारत की दिशा में काम करें"।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह उत्सव अपने मूल राज्यों से दूर रहने वाले समुदायों के बीच अपनेपन की भावना पैदा करेगा। इससे पहले राज्यपाल ने अपने संबोधन में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर समर्पित श्रमिकों को पंजाब और राष्ट्र के निर्माण में उनके बहुमुखी योगदान के लिए बधाई दी।

इस समारोह दौरान उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र (एन.जेड.सी.सी.) के कलाकारों द्वारा महाराष्ट्रियन और गुजराती नृत्य प्रदर्शन का एक रंगा-रंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। गुजराती डांडिया, राठवा और सिद्दी धमाल और महाराष्ट्रीयन लावणी और गोंधल ने दर्शकों का मन मोह लिया।

गैस आधारित अर्थव्यवस्था के लिए युक्तिकरण और सुधार

गैस आधारित अर्थव्यवस्था को युक्तिसंगत बनाने के क्रम में सुधार करना

हरदीप सिंह पुरी
(केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री, भारत सरकार)

मोदी सरकार भारतीय उपभोक्ताओं को अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए कई उपाय कर रही है। जनवरी, 2021 से फरवरी, 2023 के बीच अंतरराष्ट्रीय गैस की कीमतों में 228% की आश्चर्यजनक वृद्धि के बावजूद, भारत में सीएनजी की कीमतों में वृद्धि को 83% तक सीमित रखा गया है, जो वैश्विक वृद्धि का केवल एक तिहाई है। राजनीतिक तौर पर विरोध कहने वाले, बढ़ती कीमतों की आलोचना करने की हड़बड़ी में, यह देखने में विफल रहते हैं कि अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत ने अपने नागरिकों को अत्यधिक मूल्य अस्थिरता से बचाने के लिए कितने अच्छे कदम उठाये हैं। घरेलूप्रशासितमूल्यव्यवस्था (एपीएम), गैस आवंटन को बढ़ाने और गैर-प्राथमिकता वाले क्षेत्रों से परिवहन और घरेलू क्षेत्रों में गैस की आपूर्ति करने जैसे सक्रिय उपायों के माध्यम से दूरदर्शी शासन-व्यवस्था ने इसे संभव बनाया है। हाल ही में, महत्वपूर्ण एपीएम गैस मूल्य निर्धारण सुधारों की एक श्रृंखला को मंजूरी देने से संबंधित कैबिनेट निर्णय इस उद्देश्य को और आगे बढ़ाएगा। इन सुधारों के द्वारा दो प्रमुख लक्ष्यों को हासिल किया गया है - पहला, अत्यधिक मूल्य अस्थिरता से भारतीयों की रक्षा करना और गैस आधारित क्षेत्रों में योजनाबद्ध पूंजीगत व्यय से जुड़े निवेश के लिए स्पष्ट रूपरेखा प्रदान करना और दूसरा, अन्वेषण और उत्पादन (ईएंडपी) में नवाचार और निवेश को और बढ़ावा देना।

नए घरेलू गैस मूल्य निर्धारण दिशानिर्देश, 2014 की सीमाओं के कारण युक्तिकरण और सुधार (आर एंड आर) की आवश्यकता सामने आयी, जो हाल तक, चार अंतरराष्ट्रीय केंद्रों पर गैस की मात्रा-भारित औसत कीमत के आधार पर एपीएम की कीमतों को निर्धारित करती थी। इन कीमतों का प्रभाव एक महत्वपूर्ण समय अंतराल (6-9 महीने) के बाद पड़ता था और इससे कीमतों में उच्च अस्थिरता मौजूद रहती थी, यहां तक कि पिछले कुछ वर्षों में दो उत्पादक देशों की गैस हब कीमतों ने अपनी प्रासंगिकता खो दी है। उदाहरण के लिए, अक्टूबर 2020 और सितंबर 2021 के बीच एपीएम मूल्य 1.79 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू रहा, जो नामित क्षेत्रों के लिए 3.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की उत्पादन लागत से बहुत कम है। इस अवधि के दौरान, पश्चिम भारत में एलएनजी की कीमतों का औसत लगभग 11 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू रहा था। संक्षेप में, घरेलू उत्पादन को एलएनजी की कीमतों के 20% से भी कम मूल्य प्राप्त हुआ। हालांकि, रूस-यूक्रेन संकट के बाद अंतरराष्ट्रीय हब की कीमतों में 400% की वृद्धि के कारण सितंबर 2021 में उक्त एपीएम की कीमतें सितंबर 2021 के 1.79 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू से बढ़कर अक्टूबर 2022 में 8.57 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू हो गईं, जिसका उर्वरक, बिजली और सिटी गैस वितरण (सीजीडी) क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। सरकार ने घरेलू गैस उपभोक्ताओं के साथ-साथ राष्ट्रीय तेल कंपनियों को इस तरह की अस्थिरता से बचाने का फैसला किया, एपीएम की कीमतों को मासिक आधार पर निर्धारित किए जाने वाले भारतीय क्रूड बास्केट मूल्य के 10% पर रखने के साथ-साथ नामांकन क्षेत्रों के लिए 6.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू के अधिकतम सीमा और 4.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की न्यूनतम सीमा तय की गयी।

नियम में हाल में हुआ बदलाव यह सुनिश्चित करता है कि उपभोक्ताओं को लाभ, बिना किसी समय अंतराल के मिले, क्योंकि कीमत अब अर्धवार्षिक आधार के बजाय मासिक आधार पर निर्धारित की जाएगी। उपरोक्त लेख में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि घरेलू गैस के लिए मौजूदा उच्च कूप की शीर्ष कीमतें, कतर एलएनजी के अलावा, भारत में एलएनजी निर्यात के लिए निरंतर उच्च कीमत सुनिश्चित करती हैं। घरेलू गैस की कीमतों का लंबी अवधि के एलएनजी अनुबंधों या यहां तक कि एलएनजी की तत्काल खरीद से कोई लेना-देना नहीं है। रुके हुए गैस आधारित बिजली संयंत्रों को लेकर भी चिंता जताई गई है। पिछले अर्धवार्षिक मूल्य 8.57 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू के दौरान, कुछ बिजली संयंत्रों ने अनुबंधित गैस लेना बंद कर दिया था, जिसके कारण गैस बिक्री और खरीद समझौते (जीएसपीए) के तहत लेने या भुगतान करने की बाध्यता से जुड़ी समस्याएं पैदा हो गई थीं। 6.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की नई सीमा के साथ, गैस बिजली संयंत्रों को अब राहत मिलेगी, जो आवश्यक भी है। कठिन क्षेत्रों (डीपवाटर, अल्ट्रा डीपवाटर और एचपी-एचटी फील्ड) से गैस उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने मार्च 2016 में अधिसूचित किया था कि एचटीएचपी की अधिकतम कीमतों को आयातित वैकल्पिक ईंधन जैसे एलएनजी और आयातित ईंधन तेल के यहाँ तक पहुँचने के मूल्य के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए। इस सरकार से पहले, इन क्षेत्रों से उत्पादन को व्यावहारिक नहीं माना जाता था। आज, कठिन क्षेत्रों से उत्पादन, कुल घरेलू गैस उत्पादन के लगभग 20% तक पहुंच गया है और अगले कुछ वर्षों में इसके 30% तक पहुंचने की उम्मीद है। इन क्षेत्रों से उत्पादन की प्रकृति, जटिलता और व्यावहारिकता को ध्यान में रखते हुए, उनके नियम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। भारत तेल और गैस परिचालन के लिए तेजी से अवसंरचना का विस्तार कर रहा है तथा उपभोक्ताओं और उत्पादकों दोनों के हितों को संतुलित करने के लिए नीतिगत सुधारों को क्रियान्वित कर रहा है। भारत ने अपने गैस पाइपलाइन नेटवर्क की लंबाई 2014 के 14,700 किलोमीटर से बढ़ाकर 2023 में 22,000 किलोमीटर कर दी है।

भारत में सीजीडी से कवर किये गए जिलों की संख्या 2014 के 66 से बढ़कर 2023 में 630 हो गयी है, जबकि सीएनजी स्टेशन 2014 के 938 से बढ़कर 2023 में 5,283 हो गए हैं। भारत की एलएनजी टर्मिनल पुनर्गैसीकरण क्षमता 2014 के 21.7 एमएमटीपीए से बढ़कर 2023 में 42.7 एमएमटीपीए हो गई है, जबकि 20 एमएमटीपीए क्षमता निर्माणाधीन है। प्राकृतिक गैस की बढ़ती मांग के साथ, भारत अपने ऊर्जा-स्रोतों में व्यापक बदलाव के लक्ष्यों के हिस्से के रूप में गैस आधारित अर्थव्यवस्था को साकार करने के मार्ग पर है। भारत के लिए एक स्वच्छ, हरित और सतत ऊर्जा भविष्य का विजन तेजी से वास्तविकता बन रहा है।

देश की विविधता इसकी सबसे बड़ी ताकत है और हमें इस पर गर्व करना चाहिए- बंडारू दत्तात्रेय

• जालंधर ब्रीज. नई दिल्ली

राजभवन, हरियाणा ने आज महाराष्ट्र और गुजरात का राज्य स्थापना दिवस बड़े जोश और उत्साह के साथ मनाया। राजभवन, हरियाणा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में दोनों राज्यों की प्रमुख हस्तियों सहित कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया, जो इस अवसर को मनाने और राज्यों के बीच बंधन को मजबूत करने के लिए एक साथ आए।

अतिथियों का स्वागत हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने किया, जिन्होंने सभी आमंत्रितों से बातचीत की और उन्होंने अपना परिचय दिया। राज्यपाल ने गुजरात और महाराष्ट्र के लोगों की उपलब्धियों की भी सराहना की, जिन्होंने हरियाणा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

अपने भाषण में, राज्यपाल ने गुजरात और महाराष्ट्र के लोगों को उनके राज्य गठन दिवस पर बधाई दी और दोनों राज्यों की समृद्ध संस्कृति और विरासत पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्वीकार किया कि विशिष्ट संस्कृतियों, खान-पान और अन्य पहलुओं के बावजूद, इन राज्यों के लोग हरियाणा का अभिन्न अंग बन गए हैं। उन्होंने कहा, यह विविधता में एकता में हमारी ताकत का प्रमाण है।

राज्यपाल ने भारत की समृद्ध विविधता को बढ़ावा देने के महत्व पर भी जोर देते हुए कहा कि यह हमारा कर्तव्य है कि हम प्रत्येक राज्य के अद्वितीय सांस्कृतिक पहलुओं को प्रदर्शित करें और मनाएं। उन्होंने कहा कि देश की विविधता इसकी सबसे बड़ी ताकत है और हमें इस पर गर्व करना चाहिए।

राज्यपाल ने अपने भाषण में पूरे भारत के लोगों को एक साथ लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत इतना विविध देश होने के बावजूद, सभी राज्यों में भोजन, वस्त्र और संस्कृति में समानता पाई जा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम का विषय, जिसका अर्थ है कि विश्व एक परिवार है, भारत के सांस्कृतिक लोकाचार का एक उपयुक्त प्रतिनिधित्व है।

राजभवन हरियाणा में उत्सव एक शानदार सफलता थी, जिसमें सभी ने बधाई और शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया। यह कार्यक्रम गुजरात और महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और इसे संरक्षित और बढ़ावा देने के महत्व की याद दिलाता है। राज्यपाल के भाषण ने विविधता में एकता के महत्व पर प्रकाश डाला और देश के अद्वितीय सांस्कृतिक ताने-बाने को प्रदर्शित किया। कुल मिलाकर, यह एक उत्कृष्ट आयोजन था जिसने विभिन्न राज्यों के लोगों को एक साथ लाया और भारत की सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस: एक बहुमूल्य रत्न!

• जालंधर ब्रीज. नई दिल्ली

गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस (जीईएम) ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के अंत में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली। इसके माध्यम से केन्द्र एवं राज्य सरकारों, विभिन्न आधिकारिक एजेंसियों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सहकारी समितियों ने किसी एक वित्तीय वर्ष में 50 लाख ऑनलाइन लेनदेन के जरिए दो लाख करोड़ रुपये (24 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक मूल्य की वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद की। यह समावेशी विकास, पारदर्शिता, दक्षता और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वचनबद्धता का एक उत्कृष्ट प्रमाण है। जीईएम सही अर्थों में एक रत्न है। इसने पुराने पड़ चुके आपूर्ति और निपटान महानिदेशालय (डीजीएसएंडडी) का स्थान लिया है।

उचित रूप से, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के नए कार्यालय भवन, वाणिज्य भवन, का निर्माण उस भूमि पर किया गया है जहां कभी डीजीएसएंडडी हुआ करता था। इस भवन के शिलान्यास समारोह में, प्रधानमंत्री मोदी ने सही ही कहा था: "अब 100 साल से अधिक पुराने इस संगठन को बंद कर दिया गया है और इसके स्थान पर डिजिटल तकनीक पर आधारित एक नए निकाय - गवर्नमेंट-ई-मार्केटप्लेस - को लाया गया है। जीईएम ने सरकार द्वारा आवश्यक वस्तुओं की खरीद के तौर-तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है।" अगस्त 2016 में स्थापित होने के बाद से, जीईएम के कामकाज में असाधारण प्रगति हुई है। इस पोर्टल पर होने वाले लेनदेन का कुल मूल्य 2022-23 में लगभग दोगुना होकर पिछले वित्तीय वर्ष में 1.07 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2.01 लाख करोड़ रुपये हो गया। वित्तीय वर्ष 2016-17 में 422 करोड़ रुपये के कारोबार के साथ इसकी अनूठी यात्रा शुरू हुई थी। इस पोर्टल का शुभारंभ वस्तुओं एवं सेवाओं की सार्वजनिक खरीद को प्रधानमंत्री के 'न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन' के मिशन और सरकारी प्रणालियों को ईमानदार, प्रभावी और सभी के लिए सुलभ बनाने हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की उनकी रणनीति के अनुरूप ढालने के उद्देश्य से किया गया था। जीईएम की प्रतिस्पर्धी बोली

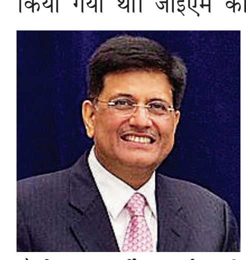

पीयूष गोयल
(रेल, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, भारत सरकार)

जैसी पारदर्शी कार्यप्रणालियों ने सरकारी विभागों एवं उपक्रमों को करदाताओं के लगभग 40,000 करोड़ रुपये बचाने में मदद की है। इस तरह की पहलों ने मोदी सरकार को राजकोषीय स्थिति से समझौता किए बिना कल्याणकारी कार्यों पर होने वाले व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि करने में मदद की है। कई अर्थों में, जीईएम लोगों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के पक्ष में जबरदस्त मतदान किए जाने के बाद से शासन-प्रशासन में लाए गए बदलावों का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। लोग पिछली सरकार से तंग आ चुके थे, जो हमेशा भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी रहती थी। उस सरकार के कई मंत्रियों के लिए तो विभिन्न अखबारों के मुख्य पृष्ठों पर छपने वाली शर्म और लांछन की रोज की खुराक ही उनकी जीवनशैली का एक आधार थी। इस संदर्भ में, जीईएम का महत्व वित्तीय दृष्टि से इसकी अभूतपूर्व वृद्धि से कहीं अधिक है और यह अपने-आप में ई-कॉमर्स की किसी भी बड़ी कंपनी को ईर्ष्या से भर देने के लिए काफी है। इस नई प्रणाली ने सदियों पुरानी उन प्रक्रियाओं की जगह ली है जो अक्षमताओं और भ्रष्टाचार से ग्रस्त थीं। सरकारी खरीद अपारदर्शी, काफी समय लेने वाली, बोझिल और भ्रष्टाचार एवं निर्माताओं की गुटबंदी (कार्टेलाइजेशन) में लिप्त हुआ करती थी। केवल कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोग ही प्रवेश संबंधी विशाल बाधाओं को पार कर पाते थे। खरीदारों के पास विशेषाधिकार प्राप्त और अक्सर बेईमान आपूर्तिकर्ताओं से ऊंची एवं बिना मोल-भाव वाली कीमतों पर घटिया सामान खरीदने के अलावा और कोई विकल्प नहीं था। जबकि संभावित विक्रेताओं को सूचीबद्ध होने और फिर समय पर भुगतान पाने के लिए पूरी तरह से सुविधा प्रदान करने वाली एजेंसी की दया पर निर्भर रहना होता था और दर-दर भटकना पड़ता था।

इसके उलट, इस प्रौद्योगिकी-संचालित प्लेटफॉर्म के जरिए विक्रेता पंजीकरण, ऑर्डर देने और भुगतान की प्रकिया में शायद ही कोई मानवीय हस्तक्षेप शामिल होता है। हर कदम पर खरीदार, उसके संगठन के प्रमुख, भुगतान करने वाले अधिकारियों और विक्रेताओं को एसएमएस और ई-मेल के जरिए सूचनाएं दीं जाती हैं। कागजरहित, नकदरहित और फेसलेस जीईएम की यह प्रणाली खरीदारों को असंख्य विक्रेताओं से सीधे प्रतिस्पर्धी दरों पर वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद करने की आजादी देता है। यह नई प्रतिस्पर्धी प्रणाली प्रधानमंत्री मोदी की डिजिटल इंडिया की पहल पर आधारित क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला एक और कदम है।

सरदार प्रकाश सिंह बादल - एक अनूठा व्यक्तित्व

• जालंधर ब्रीज. हिमाचल प्रदेश

सरदार प्रकाश सिंह बादल....ये सिर्फ़ एक नाम नहीं बल्कि पंजाब, पंजाबियत, अपनेपन, भरोसे की वो पहचान है जो सालों-साल से देश के ललाट पर चमकदार पंजाबी साफ़े की तरह बंधा है। बादल साहब का अनूठा व्यक्तित्व था, उनसे हर मुलाकात स्मरणीय होती थी, प्रेरणा देती थी। जीवन में व्यक्ति को कैसा व्यवहार रखना चाहिए, इसका सबक सिखाती थी। मेरी उनसे मुलाकात 1970 के दशक में जनता पार्टी और अकाली दल की गठबंधन सरकार के दौरान हुई जब वे पंजाब के मुख्यमंत्री थे। पंजाब चंडीगढ़ कॉलेज टीचर यूनियन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के ग्रेड के लिए आंदोलन कर रहे थे। काफी संघर्ष के बाद बादल साहब ने हमारी मांगें मान ली। इसके बाद जालंधर के दोआबा कॉलेज में यूनियन की ओर से मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल जी का धन्यवाद करने के लिए आयोजन किया गया। हमारे प्रिंसिपल श्री ओ पी मोहन ने कहा, " बादल साहब आप भलेमानस राजनीतिज्ञ हो, ऐसा बेहद कम होता है। हमारी प्रार्थना है कि आप यह भलमानसीयत कभी मत छोड़िएगा।" समूचे पंजाब में आदरणीय श्री प्रकाश सिंह बादल जी की भलेमानस की छवि सदैव बनी रहेगी।

1998 में जब हिमाचल प्रदेश में हमने हिमाचल विकास कंग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाई तो मैं बादल साहब से उनके घर पर जाकर मिला। वे बेहद प्रसन्न थे। केंद्र में स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार थी। जम्मू कश्मीर पंजाब और हरियाणा में भी एनडीए गठबंधन की सरकारें थी। उन्होंने कहा, "बहुत अच्छा हुआ की एक छोटा सा राज्य जो हमारे अधीन नहीं था वहां भी आपने एनडीए की सरकार बना दी।" वे मुझे छोड़ने बाहर निकले। उन्होंने देखा कि मैं एंबेसडर कार में था। कहने लगे, "कोई अच्छी सी कार, हमारी कारों में जो खड़ी है ले जाओ। एंबेसडर कार में कहां इतना लंबा सफर करोगे।"

नैना देवी का क्षेत्र जिसे चंगर कहा जाता है, वहां पानी की बड़ी किल्लत होती थी। गर्मियों में वहां के लोग अपने मवेशियों के साथ पंजाब में अपने रिश्तेदारों के पास चले जाते थे। 1983 में जब पंजाब में सरदार दरबारा सिंह मुख्यमंत्री थे और हिमाचल में श्री वीरभद्र सिंह जी थे तब पानी के लिए एक समझौता हुआ था लेकिन वह कागजों तक ही सीमित रह गया। 1998 में मेरे ध्यान में यह बात लाई गई। मैंने मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल जी को इस समस्या से अवगत कराया। हमने मुख्य सचिवों की एक बैठक तय की। बादल साहब ने अपने मुख्य सचिव श्री आर एस मान को यह निर्देश देकर भेजा की जाओ जैसे धूमल साहब कहें वैसे समझौता कर लेना। दोनों राज्यों में सहमति बनी और आनन्दपुर हाइड्रो चैनल से 25 क्यूसेक पानी श्री नैना देवी क्षेत्र के लिए उठाने का फैसला हुआ। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि वह योजना सफल हुई। श्री बादल साहब के कारण चंगर क्षेत्र के लोगों के लिए पीने के पानी की समस्या निदान हुआ और उस क्षेत्र में सिंचाई भी की जा रही है। आज गर्मियों में किसी को घर नहीं छोड़ना पड़ता।

चंबा जिले के साथ पंजाब का गुरदासपुर जिला लगता है। वहां डैम बनने से हिमाचल के कई गांव विस्थापित हुए। उनसे कहा गया था कि प्रत्येक विस्थापित परिवार के एक सदस्य को रोजगार दिया

प्रेम कुमार धूमल
पूर्व मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश

जाएगा। कई वर्ष बीतने के बाद भी किसी को रोजगार नहीं मिला। मैं चंबा में मिंजर के मेले में गया हुआ था तब वहां लोगों ने मांग उठाई। मैंने वहीं से आदरणीय बादल जी को फोन मिलाया और इस समस्या को उनके ध्यान में लाया। बादल साहब की यह महानता है कि उन्होंने फोन पर ही मेरी बात मान ली और कहा कि आप घोषणा कर दो कि डेढ़ सौ से ज्यादा जो विस्थापित परिवार हैं उनमें प्रत्येक परिवार के एक व्यक्ति को रोजगार दे दिया जाएगा। और उन्होंने वादा पूरा भी कर दिया। लोगों को रोजगार मिल गया।

प्रधानमंत्री वाजपेयी जी के आशीर्वाद से हमें औद्योगिक पैकेज मिला था। इससे बहुत से उद्योग भी आए। परंतु अधिकतर उद्योगपति चंडीगढ़ और पंचकूला में रहते थे। उन्हें पिंजोर घूमकर *बद्दी, बरोटीवाला और नालागढ़* आना पड़ता था। 1 दिन प्रातः काल बादल साहब से मिलने गया था। नाश्ते पर बातचीत हुई और चंडीगढ़- बद्दी के बीच सड़क बनाने हेतु उनकी सहमति मिल गई। इसके परिणाम स्वरूप बनने वाली सड़क से चंडीगढ़ और बद्दी के बीच की दूरी मात्र 22 किलोमीटर रह गई।

जब भी चुनाव होते, *मुक्तसर में माघी* का मेला लगता या कोई और कार्यक्रम होता, बादल साहब हमेशा बुलाते थे। एक बार चुनाव में गुरदासपुर व अमृतसर जिलों में चुनाव प्रचार करने के बाद हम जालंधर पहुंचे। हम अलग-अलग जगहों पर ठहरे थे। अगले दिन सुबह लुधियाना में जनसभा थी। सवेरे बारिश शुरू हो गई। समय पर पहुंचने के लिए हम सभी दौड़े पर बादल साहब समय के हम से भी पक्के पाबंद थे। वे हमसे भी पहले पहुंच गए। मंच पर लगाए गए सोफ़े भीग गए थे। सुरक्षा वालों ने बादल साहब के लिए सोफे की एक सिंगल सीट जो सूखी थी उसका प्रबंध कर दिया था। जब वहां हम पहुंचे तो बादल साहब खड़े हो गए। हमारे लाख कहने पर भी बादल साहब बैठे नहीं जब तक मेरे लिए भी वैसी ही सीट नहीं लगा दी गई। ऐसे महान व्यक्तित्व के धनी थे बादल साहब। पंजाब और हिमाचल के बीच किसी भी मुद्दे पर हमारी प्रार्थना- सुझाव बादल साहब बड़े भाई के तौर पर स्वीकार कर लेते थे।

जब यूपीए सरकार के समय न्यूक्लियर डील का मामला आया, तब आडवाणी जी के आवास पर एनडीए के मुख्यमंत्रियों की बैठक आयोजित हुई। आडवाणी जी की उपस्थिति में जॉर्ज फर्नांडिस की अध्यक्षता के बीच में बैठक हुई। सभी से इस बारे में राय लेनी थी कि अगर इस पर वोटिंग होगी तो उनके सांसदों का इस पर क्या रुख होगा। सबसे पहले बादल साहब से पूछा गया। बादल साहब ने स्पष्ट कहा कि जब तक मैं हूं, वाजपेयी जी और आडवाणी जी जो निर्णय लेंगे, हमारी पार्टी उनका साथ देगी। जहां वह कहेंगे हम वहीं वोट देंगे। इस मुद्दे पर संसद में मतदान हुआ तो अकाली दल के 2 सांसदों ने पार्टी व्हिप का उल्लंघन कर दिया। बादल साहब ने अपना वादा निभाया और दोनों सांसदों को पार्टी से निष्कासित कर दिया।

विनम्रता, सादगी, सज्जनता, सहनशीलता जैसे गुणों के धनी, मानव मूल्यों की प्रतिमूर्ति सरदार प्रकाश सिंह बादल जहां गए वहां एक महान इंसान, महान नेता, हिंदू सिख एकता के सबसे बड़े पैरोकार के तौर पर कार्य किया। उन्होंने केवल पंजाब में ही नहीं बल्कि पूरे देश और दुनिया में प्रकाश फैलाया। उन्हें हमेशा एक भलेमानुष राजनेता के तौर पर याद किया जाएगा। उनके चरणों में मेरी विनम्र श्रद्धांजलि।

कुंवर विजय प्रताप का अमृतसर में दिया ब्यान पार्टी के लिए बन सकता सिरदर्द

• **जालंधर ब्रीज.** अमृतसर

पंजाब में निकाय विभाग फिर एक बार सुर्ख़ियों में आ गया है। इस बार सुर्खियों में आने का कारण मौजूदा सरकार के विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह हैं। किसी समय सिंघम की तरह जाने जाते पूर्व अफसर से बने विधायक निकाय विभाग में टाउन प्लानिंग में फैले भृष्टाचार से परेशान दिख रहे हैं और इस बाबत उन्होंने अमृतसर में स्प्रिग डेल स्कूल की बन रही ग्रीन एवेन्यू में बिल्डिंग के अवैध होने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि यह निर्माण उनके घर से करीब 200 मीटर व निकाय मंत्री के घर से करीब 1 किलोमीटर की दूरी पर निर्माणअधीन है। भृष्टाचार के मुद्दे पर उन्होंने विधानसभा में भी आवाज़ बुलंद की थी परन्तु असर कोई नहीं दिखा। और अब उन्हें मजबूरी में मीडिया को साथ लेकर मौके पर जाकर टाउन प्लानिंग विभाग के भृष्टाचार को उजागर किया। जो सबसे गंभीर बात विधायक द्वारा की गई कि जिन अफसरों द्वारा मार्च महीने में इस बिल्डिंग संबंधी नोटिस दिया गया था, उनकी बदली अबोहर और पठानकोट कर दी गई है। यह आरोप लगाकार उन्होंने अपनी ही पार्टी और मंत्री को कटघरे में खड़ा कर दिया। यह ब्यान जालंधर के उपचुनाव में आना कुछ और ही बयान कर रहा है, दूसरी और पार्टी वीडियो कांड के बाद से ही परेशान चल रही है।

लतीफपुरा के विस्थापितों का उनकी इच्छा से पुनर्वास कर भगवंत मान सरकार सुधारे अपनी गलती : इंदर इकबाल सिंह अटवाल

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

लोकसभा उपचुनाव के चलते प्रचार के दौरान भाजपा प्रत्याशी इंदर इकबाल सिंह अटवाल आज लतीफपुरा स्थित पुनर्वास मोर्चा के धरना स्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। इस अवसर पर मौजूद प्रदर्शनकारी हरविंदर सिंह बाजवा, महिंदर सिंह बाजवा, गुरदयाल सिंह, गुरबख्श सिंह, बलजिंदर कौर, रीता रानी, हरजिंदर कौर, सरबजीत सिंह आदि ने अपने ऊपर हुए जुल्म की जानकारी दी और इंदर इकबाल सिंह अटवाल को मांग पत्र भी दिया। प्रदर्शनकारियों ने यहां पहुंचने के लिए इंदर इकबाल सिंह अटवाल का धन्यवाद करते हुए कहा कि पंजाब की भगवंत मान सरकार ने जानबूझ कर यह सब किया है। यह सभी पीड़ित परिवार लंबे समय से यहां रह रहे थे

इंदर इकबाल सिंह अटवाल ने भगवंत मान की पंजाब सरकार की धक्केशाही के पीड़ितों को संबोधित करते हुए कहा कि लतीफपुरा के लोगों के विस्थापन के लिए भगवंत मान सरकार जिम्मेदार है और यह

बहुत ही दु:खद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है, ऐसा नहीं होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार ने हंसते खेलते लोगों को सड़कों पर रुलने के लिए मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार तुरंत अपनी गलती सुधारे, इन लोगों का दर्द किसी से देखा नहीं जाता। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी शर्मा के नेतृत्व में भाजपा का पूरा नेतृत्व और मैं खुद लतीफपुरा की जनता के साथ चट्टान की तरह खड़ा हूं और हमेशा खड़ा रहूंगा। मैं आपके वकील के रूप में काम करूंगा और आप लोगों के पुनर्वास के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। मुझे जिससे मिलना होगा, मैं उससे मिलूंगा। आप जो भी निर्णय लेंगे, मैं आपके साथ हूं और हम पंजाब सरकार को लतीफपुरा के लोगों की बात मानने के लिए मजबूर करेंगे। उन्होंने कहा कि पुनर्वास की पूरी जिम्मेदारी पंजाब सरकार की है, इसमें केंद्र सरकार की कोई भूमिका नहीं है। लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो हम केंद्र सरकार से भी संपर्क करेंगे और पंजाब सरकार से लोगों के पुनर्वास के लिए तत्काल कदम उठाने के लिए कहेंगे।

हरदीप सिंह पुरी गुरुद्वारा दुःख निवारण साहिब नौवीं पातशाही में हुए नतमस्तक

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी सरबजीत सिंह मक्कड़ के साथ गुरुद्वारा दुःख निवारण साहिब नौवीं पातशाही गुरु तेग बहादुर नगर पहुंचे और गुरु के चरणों में नतमस्तक होकर गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर हरदीप सिंह पुरी का विभिन्न सिंह सभाओं द्वारा स्वागत किया गया।

गुरुद्वारा नौवीं पातशाही के अध्यक्ष जगजीत सिंह गाबा ने कहा कि श्री करतारपुर साहिब के दर्शन की सिखों की लंबे समय से चली आ रही मांग को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा श्री करतारपुर साहिब का लांघ खोलकर सिख जगत का मान बढ़ाया गया है। सरबजीत सिंह मक्कड़ ने कहा कि केंद्र सरकार ने श्री हरमिन्दर साहिब के लंगर को टैक्स मुक्त करके बहुत बड़ी राहत दी है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और सरबजीत सिंह मक्कड़ को सम्मानित किया गया। सभी अलग-अलग गुरुद्वारा सिंह सभाओं ने हरदीप पुरी के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया। इस मौके पर गुरबख्श सिंह, अध्यक्ष गुरु नानक मिशन चौक, दविंदर सिंह अमर कोच, गुरबचन सिंह, दलजीत सिंह अध्यक्ष गुरुद्वारा बाजार शेखा, गुरमीत सिंह बिट्टू अध्यक्ष सेंट्रल टाउन गुरुद्वारा, दविंदर सिंह रयात अध्यक्ष गुरुद्वारा गोबिंदगढ़, लकी अजीत नगर, जसबीर सिंह डिफेंस कॉलोनी, भूपिंदर सिंह खालसा आदि भी मौजूद थे।

आरडीएफ को हटाना केंद्र सरकार का राज्य के प्रति दुर्भावना का ताजा सबूत : हरपाल चीमा

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

एक बार फिर भाजपा ने साबित कर दिया कि वह पंजाब विरोधी और किसान विरोधी है। भाजपा की केंद्र सरकार की पंजाब के खिलाफ प्रतिशोध की भावना है। आरडीएफ का निलंबन राज्य के खिलाफ उसके भेदभाव का ताजा उदाहरण है। उक्त बातें आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने पंजाब के ग्रामीण विकास कोष को निलंबित करने के लिए केंद्र सरकार और भाजपा को घेरते हुए कही। जालंधर में गुरुवार को आप नेता नील गर्ग और अनिल ठाकुर के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए हरपाल चीमा ने कहा कि बीजेपी बदले की राजनीति कर रही है। पंजाब के किसानों ने किसान आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्हें हर राज्य के किसानों का समर्थन मिला और अंत में भाजपा को किसानों की मांगों के आगे घुटने टेकने पड़े और तीनों किसान विरोधी कानूनों को रद्द

करना पड़ा। उन्होंने कहा कि दिल्ली की सीमाओं पर किसान आंदोलन के दौरान पंजाब के 700 से अधिक किसान शहीद हो गए। उन लोगों की मौत के लिए सीधे तौर पर भाजपा जिम्मेदार है।

चीमा ने कहा कि अपनी हार को पचा नहीं पा रही अब भाजपा बार-बार पंजाब के हकों पर वार कर रही है। वे हमारे राज्य को आर्थिक रूप से कमजोर करना चाहते हैं। इसलिए पहले वे हमारे राज्य के अधिकारों पर हमला कर रहे थे और अब उन्होंने अपने आधिकारिक दस्तावेज से आरडीएफ (ग्रामीण विकास निधि) के पूरे स्तंभ को हटा दिया। उन्होंने कहा कि इस तानाशाही कदम से पंजाब को 1000 करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान होगा। जबकि इस पैसे का इस्तेमाल पंजाब के ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ पंजाब के खाद्य बाजारों के विकास के लिए किया जाना था।

हाल ही में भाजपा में शामिल हुए पंजाब के सभी नेताओं की आलोचना करते हुए हरपाल चीमा ने पूछा कि क्या भाजपा के नए नेता केंद्र सरकार से सवाल करेंगे? किसान का बेटा होने का दावा करने वाले सुनील जाखड़ क्या किसानों के साथ खड़े होंगे? बीजेपी के टिकट पर जालंधर उपचुनाव लड़ रहे अटवाल क्या पंजाब के लिए आवाज उठाएंगे? क्या कैप्टन अमरिंदर सिंह, अश्विनी कुमार, फतेहजंग बाजवा पंजाब के हक के लिए लड़ेंगे? उन्होंने कहा कि ये लोग पहले ही भाजपा के सामने आत्मसमर्पण कर चुके हैं। इसलिए पंजाब के लोगों को उनसे कोई उम्मीद नहीं है।

'बिजली विभाग भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देने के लिए वचनबद्ध'

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के बिजली मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने गुरुवार को कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार राज्य के लोगों को भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन प्रदान करने के लिए वचनबद्ध है और इस सम्बन्धी सभी ज़रुरी प्रयास किये जा रहे हैं। पिछले कुछ समय के दौरान पीएसपीसीएल के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की तरफ से भ्रष्टाचार में शामिल होने सम्बन्धी मामलों को गंभीरता से लेते हुये कैबिनेट मंत्री ने कहा कि किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मान सरकार की तरफ से भ्रष्टाचार में शामिल किसी भी अधिकारी/ कर्मचारी को बख़्शा नहीं जायेगा और ऐसे अधिकारियों/ कर्मचारियों के विरुद्ध सख़्त कार्यवाही की जायेगी।

बिजली मंत्री ने कहा कि हाल ही में पी. एस. पी. सी. एल. में भ्रष्टाचार के मामले में शामिल इंजी. गुरजिन्दर सिंह, एस. डी. ओ. डी. एस. सब डिवीज़न मुबारकपुर के विरुद्ध सख़्त कार्यवाही अमल में लाई गई है जिस पर औद्योगिक कुनैकशन जारी

करने के मामले में आवेदक को तंग-परेशान करने के दोष लगे थे और उसे पी. एस. पी. सी. एल. के इनफोरसमैंट विंग की तरफ से की गई जांच के उपरांत तारीख़ 28- 04- 2023 को तुरंत मुअत्तल कर दिया गया था। इसी तरह पी. एस. पी. सी. एल. के टैक्निकल ऑडिट विंग की तरफ से जांच के उपरांत पी. एस. पी. सी. एल. स्टोरों से निकाली सामग्री के गबन में शामिल होने के दोष अधीन इंजी. हरजीत सिंह एस. डी. ओ. और इंजी. दर्शन सिंह एस. डी. ओ. को भी 28- 04- 2023 को मुअत्तल कर दिया गया था। इसके इलावा उसी केस में डी. एस. सब-डिवीज़न बस्सियां के इंजी. छिन्दर पाल सिंह एस. डी. ओ., इंजी. दलजीत सिंह जे. ई. और लाईनमैन अजीतपाल सिंह को भी बड़े स्तर पर सामग्री के गबन के दोष अधीन मुअत्तल किया गया है। इससे पहले पी. एस. पी. सी. एल. के ऑडिट विंग की तरफ से की गई जांच के उपरांत पी. एस. पी. सी. एल. के फंडों में घपले के दोष अधीन इंजी. सुमेल सिंह, अतिरिक्त एस. ई. डी. एस. डिवीजन, अमलोह और उसके डिवीजनल अकाउँटैंट किरन कुमार को भी मुअत्तल कर दिया गया था।

उन्होंने बताया कि इन दोनों मामलों में एफ. आई. आर. दर्ज की गई है और इन मामलों में सीनियर अधिकारियों की शमूलियत की जांच भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों में शामिल पाये गए किसी भी शख़्स को बख़्शा नहीं जायेगा। बिजली मंत्री ने आगे बताया कि बिजली विभाग के किसी भी मुलाज़िम की तरफ से किसी भी स्तर पर उपभोक्ताओं के साथ दुर्व्यवहार और भ्रष्टचार सम्बन्धी गतिविधियों में शामिल होने को बर्दाश्त नहीं करेंगे और भविष्य में भी दोषी पाये जाने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध सख़्त कार्यवाही की जायेगी।

चुनाव आचार संहिता खत्म होते ही शुरू होगा जालंधर-होशियारपुर-चिन्तपुर्णी सड़क का निर्माण कार्य : ब्रम शंकर ज़िम्पा

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने जालंधर-होशियारपुर-चिंतपूर्णी सड़क के लिए मंज़ूर किए हैं 13.74 करोड़ रुपए

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

पंजाब के राजस्व मंत्री और होशियारपुर के विधायक ब्रम संकर जिम्पा ने कहा कि जालंधर- होशियारपुर-चिंतपूर्णी सड़क मार्ग का कार्य जालंधर लोक सभा के उप चुनाव के चलते आचार संहिता के कारण रुका हुआ है। उन्होंने कहा कि जैसे ही चुनाव आचार संहिता खत्म होगी वैसे ही सड़क का निर्माण कार्य शुरु करवा दिया जाएगा

क्योंकि सड़क निर्माण संबंधी पहले से ही टेंडर लग चुके हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की रोक के कारण सड़क का निर्माण कार्य रोका गया है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार की ओर से चुनाव आयोग को पत्र लिखकर सड़क निर्माण कार्य शुरू करने संबंधी आज्ञा मांगी गई थी लेकिन आयोग की ओर से निर्माण कार्य को चुनाव आचार संहिता खत्म होने के बाद ही शुरू करने के लिए कहा गया है। गौरतलब है कि सड़क के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 39 किलोमीटर लम्बी इस सड़क के निर्माण के लिए13.74 करोड़ रुपए मंज़ूर किए है। सड़क का करीब 14 किलोमीटर का इलाका जालंधर जिले में और 25 किलोमीटर का इलाका होशियारपुर जिले में आता है।

ब्रम शंकर ज़िम्पा ने बताया कि यह सड़क काफ़ी अहम है क्योंकि इस सड़क के द्वारा बहुत से श्रद्धालु माता चिन्तपुर्णी जी, माता ज्वाला जी, माता कांगड़ा देवी जी, माता चमुंडा देवी जी, माता बगलामुखी जी और बाबा बालक नाथ जी जैसे अति महत्वपूर्ण धार्मिक स्थानों के दर्शनों के लिए जाते हैं।

सीएम की आमद को लेकर रूट डायवर्ट

एसएसपी होशियारपुर सरताज सिंह चाहल ने बताया कि मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत मान की 5 मई को गांव सिंगपुर जट्टा में आमद को लेकर ट्रैफिक रूट डायवर्ट किए गए हैं। उन्होंने बताया कि तलवाड़ा, हाजीपुर से दसूहा की ओर जाने वाला कोई भी भारी वाहन टी प्वाइंट हाजीपुर से वाया मुकेरिया से दसूहा को जाएगा। इसी तरह दसूहा की साइड से हाजीपुर, तलवाड़ा को जाने वाला कोई भी भारी वाहन दसूहा से वाया मुकेरिया हाजीपुर तलवाड़ा को जाएगा। मुख्यमंत्री पंजाब की ओर से किए जा रहे कार्यक्रम में शामिल होने वाली दसूहा साइड से आने वाले जनता गांव कोलपुर मोड़ से होते हुए गांव सिंगपुर जट्टा को आएगी। इसी तरह कार्यक्रम में शामिल होने वाली मुकेरिया(मैहतपुर, मंसूरपुर रोड) से आने वाली जनता वाया गांव सुंदरपुर, गांव भांगड़ा, गांव कोलपुर से होते हुए गांव सिंहपुर जट्टा को आएगी। प्रोग्राम में शामिल होने वाली हाजीपुर साइड से आने वाली जनता वाया गांव कोलपुर से होते हुए गांव सिंगपुर जट्टा आएगी।

बाल गृह से रिलीव बच्चों के लिए वरदान साबित हो रहे है स्टेट आफ्टर केयर होम

अमृतसर और लुधियाना के आफ्टर केयर होम्स में जरूरतमंद बच्चों के लिए शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण का प्रावधान

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डा. बलजीत कौर ने कहा कि बाल गृह से रिलीव हुए बच्चे जिनकी शिक्षा और प्रशिक्षण बाल गृह में अधूरा रह जाता है, उन्हें 18 से 21 वर्ष की आयु तक स्टेट आफ्टर केयर होम्स में रखा जाता है ताकि उन्हें शिक्षित और कौशल बनाकर आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

इस बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सरकार की तरफ से लड़कियों के लिए अमृतसर और लड़कों के लिए लुधियाना में दो स्टेट आफ्टर केयर होम चलाए जा रहे है। इन संस्थानों में 18 से 21 वर्ष की आयु के बच्चों की देखभाल, भोजन, कपडे, शिक्षा, मैडीकल सहायता, मुफ्त आवास और रहने की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। इस योजना का लाभ जरूरतमंद बच्चे ले सकते है और इसके लिए किसी भी दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने बताया कि योजना के बारे में अधिक जानकारी के लिए जिला प्रोग्राम अधिकारी और जिला बाल संरक्षण अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है या हेल्पलाइन नंबर 1098 पर फोन किया जा सकता है। किसी भी प्रकार की शिकायत होने पर संबंधित डिप्टी कमिश्नर एवं हैडक्वाटर के हेल्प लाइन 0172-2608746 पर संपर्क किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की यह पहल राज्य में बच्चों के कल्याण को सुनिश्चित करने और उन्हें बढिया भविष्य के अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जीत के बाद रोहित ने कहा- अक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति लेकर ही इस सत्र में उतरे थे

मोहाली. पंजाब किंग्स को आईपीएल के मैच में छह विकेट से हराने के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनकी टीम इस सत्र में अक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति लेकर उतरी थी और इसका परिणाम भी देखने को मिल रहा है। पंजाब के तीन विकेट पर 214 रन के जवाब में मुंबई ने लक्ष्य सात गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। रोहित ने कहा, 'जब हमने टी20 क्रिकेट खेलना शुरू किया तो 140-150 जिताने वाला स्कोर होता था लेकिन अब देखिये। इसके अलावा एक अतिरिक्त बल्लेबाज से काफी फर्क पड़ा है। मैने देखा कि इस आईपीएल

फोटो-आईपीएल

में औसत स्कोर 180 है।'

उन्होंने कहा, 'सूर्य और किशन ने बेहतरीन बल्लेबाजी की और टिम तथा तिलक ने फिनिशर की भूमिका निभाई। हमने सत्र से पहले ही तय किया था कि निर्भीक होकर खेलेंगे। नतीजे की चिंता नहीं करेंगे क्योंकि ऐसा करने पर रणनीति पर अमल नहीं कर सकेंगे।' उन्होंने 41 गेंद में 75 रन बनाने वाले ईशान किशन की तारीफ करते हुए कहा , 'वह कद में छोटा है लेकिन उसमें काफी ताकत है। उसने आज जो शॉट खेले, वह उनका रोज अभ्यास करता है।' मुंबई के खिलाफ लगातार चौथी बार 200 से अधिक का स्कोर बना है और रोहित ने स्वीकार किया कि इस पर काम करना होगा। उन्होंने कहा, 'हमें बीच के ओवरों में रनगति पर अंकुश लगाना होगा। हमने तीन चार मैचों में 200 से ज्यादा रन दे डाले और अब इस पर गंभीरता से विचार करना होगा।'

पंजाब सरकार ने नगर निगम मोगा में विकास कार्यों पर 7.27 करोड़ रुपये खर्च करने का निर्णय लिया : डॉ. निज्जर

पंजाब सरकार का मुख्य उद्देश्य राज्य के लोगों को बुनियादी सुविधाएं, स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त वातावरण प्रदान करना

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब सरकार राज्य के लोगों को बुनियादी सुविधाएं, स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त वातावरण देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए स्थानीय निकाय मंत्री डा. इंदरबीर सिंह निज्जर ने कहा नगर निगम मोगा के विकास कार्यों के लिए 7.27 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव है। इस संबंध में स्थानीय निकाय मंत्री डा. इंदरबीर सिंह निज्जर ने कहा कि विकास कार्यों में वार्ड नंबर 40 और 41 में परवाना फाटक से चोखा पैलेस चौक तक सीवरेज लाइन डालना, नगर निगम मोगा

में रेन हार्वेस्टिंग रिचार्ज वैल का निर्माण शामिल है और वार्ड न.43 में पुरानी घल्ल कलां रोड पर सीधे बोर लगाने का काम शामिल है।

इसी प्रकार अन्य विकास कार्यों में वार्ड नंबर 15 में कबीर नगर, वार्ड नंबर 24 में साधां वाली बस्ती व वार्ड नंबर 14 में प्रेम नगर में डायरेक्ट बोर लगाना शामिल है। मल्लन शाह रोड के साथ गली में सीवरेज लाइन की व्यवस्था करना और सीवरेज लाइन डालना शामिल है। इन विकास कार्यों में मोगा शहर में विभिन्न डिस्पोजल, मोटरों और सीवर पंपों पर स्थापित मशीनरी की मुरम्मत की योजना भी शामिल है।

डॉ. निज्जर ने कहा कि इस योजना अधीन मोगा में डंप साइट पर पाईजो मीटर लगाना, सीवर लाइन का प्रबंध, मैनहोल चैंबरो और मोगा शहर जोन सी और डी में गलियों की मुरम्मत शामिल है। इसके इलावा वार्ड नंबर 23 में प्रीतनगर श्मशान घाट, वार्ड नंबर 33 में मोहल्ला सधुआं और महिमेवाला गांव श्मशान घाट में रिवर्स रिग विधि या किसी अन्य नवीनतम तकनीक के साथ डीप बोर (300x200 मिमी) टयूबवैल लगाए जाएगे। उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम मोगा में इसी तरह और भी कई विकास कार्य करवाने की योजना है। विकास कार्यों से नगर निगम मोगा में बुनियादी ढांचे और सुविधाओं में सुधार होने आशा है, जिससे निवासियों को बढिया सुविधाएं और रहने योग्य वातावरण मिलेगा।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.